कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

MSK–003

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम. एस. के.-003 : दर्शन : न्याय, वैशेषिक, वेदान्त, सांख्य और मीमांसा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) सांख्यकारिका के प्रतिपाद्य का विस्तार से वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

अथवा

'दर्शन' शब्द के अर्थ को स्पष्ट करते हुए दर्शनों के वर्गीकरण का आधार क्या है, विस्तारपूर्वक लिखिए।

(ख) वेदान्त दर्शन के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

अथवा

जैन दर्शन के अनुसार जीव के स्वरूप का वर्णन कीजिए। यह जीव के अस्तित्व को कैसे सिद्ध करता है ?

(ग) पुरुष एवं प्रकृति के संयोग पर विस्तारपूर्वक लिखिए।

अथवा

न्याय–वैशेषिक दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का निरूपण कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 10×4=40

(क) दुखत्रयाभिघाताजिज्ञासा तदघातके हेतौ।

दृष्टे सापार्था चेन्नैकान्तात्यन्ततो भावात्॥

अथवा

द्रव्यगुणकर्मसामान्यविशेष समवाया भावाः सप्त पदार्थाः।

(ख) संयोगनाशको गुणो विभागः। सर्वद्रव्यवृत्तिः।

अथवा

सामान्यतस्तु दृष्टादतीन्द्रियाणां प्रतीतिरनुमानात्।

तस्मादपि चासिद्धं परोक्षमाप्तागमात् सिद्धम्॥

(ग) अष्टविकल्पो दैवस्तैर्यग्योनश्च पञ्चधा भवति।

मातुष्यश्चैकविधः समासतो भौतिकः सर्गः॥

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

अथवा

रूपादिचतुष्ट्यं पृथिव्यां पाकजमनित्यञ्च। अन्यत्र। पाकजं नित्यञ्च। नित्यगतं नित्यम्अनित्यगत् मनित्यम्॥

(घ) दृष्टमनुमानमाप्तवचनं च सर्वप्रमाणासिद्धत्वात्।

त्रिविधं प्रमाणमिष्टं प्रमेय सिद्धिः प्रमाणाद्धि॥

अथवा

अनुमितिकरणमनुमानम्। परामर्शजन्यं ज्ञानमनुमितिः। व्याप्तिविशिष्ट पक्षधर्मताज्ञानं परामर्शः यथा–र्वह्नि–व्याप्यधूमवानयं पर्वत इति ज्ञानं परामर्शः। तञ्जन्यं पर्वतो वह्निमानिति ज्ञानमनुमिति। यत्र–तत्र धूमस्तत्र तत्राग्निरिति साहचर्यनियमो व्याप्तिः। व्याप्यस्य पर्वतादिवृत्तित्वं पक्षधर्मता॥

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

खण्ड—ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $5 \times 6 = 30$

(क) पञ्चीकरणप्रक्रिया

(ख) अनुबंधचतुष्ट्य

(ग) पंचप्राण

(घ) तत्त्वम्पदार्थ शोधन

(ङ) सत्कार्यवाद

(च) गुणत्रय

(छ) वेद की अपौरुषेयता

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com